



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III – खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 165]  
No. 165]नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अगस्त 16, 2007/श्रावण 25, 1929  
NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 16, 2007/SRAVANA 25, 1929

महापत्रन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

मुम्बई, 14 अगस्त, 2007

सं. टीएमपी/52/2006-बीपीटी.—महापत्रन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महापत्रन प्रशुल्क प्राधिकरण एतद्वारा संलग्न आदेशानुसार, फ्लॉटिंग क्रेन प्रचालनों के लिए तैनात स्टॉफ के लिए समयोपरि प्रभारों की वसूली हेतु विशाखापत्तनम पत्रन न्यास (बीपीटी) से प्राप्त प्रस्ताव का निपटान करता है।

अनुसूची

मामला सं. टीएमपी/52/2006-बीपीटी

विशाखापत्तनम पत्रन न्यास

..... आवेदक

आदेश

(अगस्त, 2007 के 7वें दिन पारित)

यह मामला फ्लॉटिंग क्रेन के प्रचालन के लिए तैनात स्टॉफ हेतु समयोपरि प्रभारों की वसूली के लिए विशाखपत्तनम पत्रन न्यास (बीपीटी) से प्राप्त प्रस्ताव दिनांक 12/18 दिसम्बर, 2006 से संबंधित है।

2. वीपीटी ने अपने प्रस्ताव में निम्नलिखित मुख्य बातें कही हैं:
- कार्गो प्रहस्तन प्रचालनों के लिए व्यापार के अनुरोध पर फ्लोटिंग क्रेनों किराये पर ली जाती हैं और दरमान में निर्धारित दरों के अनुसार जरूरी किराया प्रभार वसूल किए जाते हैं।
  - मई, 2006 में हुए संशोधन से पहले, संबद्ध कर्मचारियों को भुगतान किए गए वेतनों को ध्यान में रखते हुए स्टाफ की कार्य-समय से अधिक तैनाती के लिए जरूरी समयोपरि प्रभार वास्तविकताओं पर वसूल किए जाते थे।
  - इस संबंध में, यह निवेदन है कि सामान्यतः व्यापार के अनुरोध पर कार्य-समय से अधिक रोस्टर्स ऑफ्स और अवकाश-दिवसों में लगभग 10 से 15 घंटे के लिए 20 से अधिक कर्मचारी फ्लोटिंग क्रेनों पर कार्य करने के लिए तैनात किए जाते हैं। प्रति कर्मचारी को देय लगभग समयोपरि ₹ 100/- प्रति घंटा है। तदनुसार, वीपीटी को इन कर्मचारियों के लिए लगभग ₹ 2000/- प्रति घंटा अदा करना होता है।
  - सामान्य संशोधन प्रस्ताव में, वीपीटी ने प्रस्तावित दरमान में समयोपरि प्रभारों के लिए ₹ 100 प्रति घंटा अथवा उसका भाग की वसूली, जब कभी स्टाफ को फ्लोटिंग क्रेनों पर कार्य करने के लिए समयोपरि पर तैनात किया जाता है, के लिए एक पृथक नोट शामिल किया था। प्रस्तावित टिप्पणी वीपीटी के संशोधित दरमान अनुमोदित करते समय अनुमोदित की गई थी। तथापि, वीपीटी द्वारा प्रस्तावित टिप्पणी में असावधानीवश प्रति कर्मचारी शब्द का उल्लेख करना रह गया था। परिणामस्वरूप, उपयोक्ताओं से संलग्न कर्मचारियों (अर्थात लगभग 20 कर्मचारी) की संख्या की बजाय ₹ 100/- प्रति घंटा अथवा उसका भाग की दर से समयोपरि प्रभार वसूल किए जाते हैं।
3. वीपीटी ने अपने दरमान में उक्त टिप्पणी को इस प्रकार संशोधित करने का निर्णय लिया है कि जब कभी स्टाफ समयोपरि पर तैनात किया जाता है तो समयोपरि प्रभार ₹ 100/- प्रति घंटा अथवा उसका भाग की दर से वसूल किया जाएगा।
- निर्धारित परामर्शी प्रक्रिया के अनुसार, वीपीटी का प्रस्ताव उपयोक्ताओं/उपयोक्ता संगठनों को उनकी टिप्पणियों के लिए अग्रेषित किया गया था। अनुसारक के बावजूद, हमें विशाखापत्तनम सीमाशुल्क विलयिंग एंडेंट्स असोसिएशन (वीसीसीएए) के अलावा किन्हीं अन्य उपयोक्ताओं/उपयोक्ता संगठनों से इस प्रस्ताव पर टिप्पणियां प्राप्त नहीं हुई थीं।
  - वीसीसीएए से प्राप्त टिप्पणियां वीपीटी को प्रतिपुष्टि सूचना के रूप में अग्रेषित की गई थीं। वीपीटी ने वीसीसीएए की टिप्पणियों पर अपनी टिप्पणियां भेजी थीं।
5. वीपीटी को वह प्रशुल्क निर्धारण व्यवस्था स्पष्ट करने का अनुरोध किया गया था जिसके अंतर्गत पत्तन इस प्राधिकरण द्वारा जून, 2006 में इसके दरमान के संशोधन से पहले समयोपरि वसूल करता था। प्रत्युत्तर में, वीपीटी ने स्पष्ट किया था कि उसने कार्य-समय से अधिक स्टाफ की तैनाती के लिए समयोपरि प्रभारों के लिए वर्ष 2001 में अनुमोदित दरमान में कोई उपबंध शामिल नहीं किया था क्योंकि पत्तन व्यापार से वास्तविकताओं पर समयोपरि प्रभार वसूल कर रहा था। इसके अलावा, इसने वीसीसीएए की टिप्पणियों पर पहले किए गए निवेदनों को दोहराया था।
- इस मामले में संयुक्त सुनवाई 12 जून, 2007 को विशाखापत्तनम पत्तन न्यास के परिसर में आयोजित की गई थी। संयुक्त सुनवाई में, वीसीसीएए, वीपीटी और संबद्ध उपयोक्ताओं ने अपने निवेदन प्रस्तुत किए थे।

6.2. जैसाकि संयुक्त सुनवाई में निर्णय लिया गया था, विशाखापत्तनम पर्तन न्यास (वीपीटी) को सलाह दी गई थी कि उपयोक्ताओं/उपयोक्ता संगठनों द्वारा किए गए निवेदनों को ध्यान में रखते हुए अपने प्रस्ताव की समीक्षा करे और लागत औचित्य द्वारा समर्थित संशोधित प्रस्ताव दाखिल करें।

6.3. तदनुसार, वीपीटी ने अपने प्रस्ताव की समीक्षा की और संशोधित प्रस्ताव दाखिल किया। वीपीटी द्वारा किए गए मुख्य निवेदन नीचे सारबद्ध किए गए हैं:

- (i). इसने दोहराया है कि फ्लोटिंग क्रेनों केवल 8 घंटे की सामान्य पारी में कार्य करने के लिए परिकलित की गई हैं ना कि 24 घंटे आधार पर जैसाकि व्यापार द्वारा दावा किया गया है। उक्त क्रेनों की मूल दर सामान्य पारी के लिए 22 की स्टाफ संख्या पर विचार करते हुए तदनुसार निर्धारित की गई थी।
- (ii). लागत तत्वों को दोहराए जाने के संबंध में उठाए गए मुद्दे के संबंध में इस प्रस्ताव की पुनः जाँच की गई है। संशोधित प्रस्ताव में सुविचारित सामान्य मजदूरी दरें और प्रति कर्मचारी समयोपरि दरें नीचे दी गई हैं:
  - (क). औसत सामान्य मजदूरी जिसमें वेतन, डीए और अन्य भत्ते शामिल हैं, ₹0 16,297/- प्रति कर्मचारी है। इस प्रकार, प्रति घंटा मजदूरी दर ₹0 67.90 (अर्थात् 16297 / 30 X 8 घंटे) परिगणित होती है।
  - (ख). सामान्य मानकों से अधिक कार्य करने के लिए दोगुनी दर पर देय समयोपरि भत्ते अर्थात् वेतन और डीए हैं
 

घटाएँ: मूल दर में पहले से शामिल की गई सामान्य मजदूरी दर	₹0. 120.38
व्यापार से वसूल किया जाने वाला समयोपरि भत्ता	₹0. 67.90
	₹0. 52.38
- (iii). इस संशोधित परिगणना के आधार पर, वीपीटी अपने प्रारंभिक प्रस्ताव में प्रस्तावित ₹0 100/- प्रति कर्मचारी प्रति घंटा के स्थान पर ₹0 53/- प्रति घंटा प्रति कर्मचारी वसूल करने के लिए सहमत है। तथापि, फ्लोटिंग क्रेन के किराया प्रभारों में उपर्युक्त समयोपरि प्रभारों को जोड़ने के व्यापार के अनुरोध पर, इसने निम्नलिखित परिगणनाएं भेजी हैं:

वर्ष 2006-07 में क्रेनों के घंटों की कुल औसत संख्या जिसमें समयोपरि शामिल था	257 घंटे
कुल समयोपरि तत्व = ₹0 52.38 X 22 X 257	= ₹0 2,96,157/-
क्रेन के लिए कुल उपलब्ध कार्य-समय	= 240 दिन X 8 घंटे
	प्रति क्रेन = 1920 घंटे

इस प्रकार, मूल दर में समयोपरि प्रभारों के लिए शामिल की जाने वाली प्रस्तावित दर = ₹0 2,96,157 / 1920 = ₹0 154.24।

- (iv). तदनुसार, वर्तमान दरमान में निर्धारित फ्लोटिंग क्रेन का किराया प्रभार ₹0 2001 प्रति घंटा अथवा उसका भाग को समयोपरि प्रभार शामिल करने के पश्चात ₹0 2155 प्रति घंटा में संशोधित करने का प्रस्ताव किया गया है। फ्लोटिंग क्रेन का संशोधित प्रस्तावित किराया प्रभार पर 18 जून, 2007 को व्यापार के साथ चर्चा की गई थी और व्यापार ने इसी पर अपनी सहमति संप्रेषित की थी।
- (v). इस परिप्रेक्ष्य में, इसने वर्तमान दरमान की अनुसूची 5.1.1. और 5.1.2. में निर्धारित फ्लोटिंग क्रेनों के किराया प्रभारों में निम्नवत् संशोधन करने का अनुरोध किया है:

- (क). 5.1. फ्लोटिंग क्रेन प्रभार
  - 5.1.1. 150 टन फ्लोटिंग क्रेन

क्र. सं.	ऐकेज का भार अथवा प्रभार की प्रकृति	इकाई	दर (रुपयों में)	दर (रुपयों में) द्वितीय प्रचलन के लिए
1.	50 टन तक	प्रति घंटा अथवा उसका भाग	₹0 2150/- प्रति घंटा अथवा उसका भाग परंतु न्यूनतम ₹0 4300/-	₹0 1075/- प्रति घंटा अथवा उसका भाग परंतु न्यूनतम ₹0 2150/-

मद सं. 2 से 10 के लिए दरों में कोई परिवर्तन नहीं होगा।

### 5.1.2. 60 टन फ्लोटिंग क्रेन

क्र. सं.	पैकेज का भार अथवा प्रभार की प्रकृति	इकाई	दर (रुपयों में)	दर (रुपयों में) द्वितीय प्रचालन के लिए
1.	50 टन तक	प्रति घंटा अथवा उसका भाग	रु0 2150/- प्रति घंटा अथवा उसका भाग परंतु न्यूनतम रु0 4300/-	रु0 1075/- प्रति घंटा अथवा उसका भाग परंतु न्यूनतम रु0 2150/-

(ख). 5.1. फ्लोटिंग क्रेन प्रभारों के क्रम सं. 8 की मौजूदा टिप्पणी हटा दी गई है।

7. इस मामले में विचार—विमर्श संबंधी कार्यवाहियां इस प्राधिकरण के कार्यालय के अभिलेखों में उपलब्ध हैं। ग्राप्त टिप्पणियों और संबद्ध पक्षों द्वारा दिए गए तर्कों का सार प्रासंगिक पक्षों को अलग—से भेजा जाएगा। ये व्योरे हमारी वेबसाइट <http://tariffauthority.gov.in> पर भी उपलब्ध करवाए जाएंगे।

8. इस मामले की कार्यवाही के दौरान एकत्र की गई समग्र सूचना के संदर्भ में, निम्नलिखित रिथति प्रकट होती है:

- (i). विशाखापत्तनम पत्तन न्यास (वीपीटी) का प्रस्ताव 5 जून, 2006 का भारत के राजपत्र में अधिसूचित वीपीटी के दरमान के पिछले प्रशुल्क संशोधन में निर्धारित फ्लोटिंग क्रेनों पर समयोपरि प्रभार संबंधी उपबंध में संशोधन के लिए है।
- (ii). जून, 2006 में अनुमोदित प्रशुल्क संशोधन से पहले वीपीटी के दरमान में समयोपरि प्रभारों के लिए कोई पृथक प्रशुल्क नहीं किया गया था। पिछले प्रशुल्क संशोधन से पहले, पत्तन द्वारा वास्तविकताओं पर समयोपरि प्रभार वसूल किए जाते थे जैसाकि वीपीटी और उपयोक्ताओं दोनों ने बताया था।

पिछले प्रशुल्क संशोधन में, वीपीटी ने फ्लोटिंग क्रेनों के प्रचालन के लिए समयोपरि पर तैनात स्टाफ के लिए समयोपरि प्रभार शामिल करने का प्रस्ताव किया था। यह प्राधिकरण सामान्यतः पृथक समयोपरि प्रभार निर्धारित किए जाने के पक्ष में नहीं है व्योकि पत्तनों से 24 घंटे से बढ़ा प्रदान करने की अपेक्षा की जाती है।

वीपीटी मामले के प्रशुल्क संशोधन पर कार्यवाही करते समय, प्रस्तावित उपबंध बिना फिरी विस्तृत विश्लेषण के अनुमोदित किया गया था व्योकि यह कोई महत्वपूर्ण प्रशुल्क मद नहीं थीं और उपयोक्ता संगठनों ने भी समयोपरि प्रभार की वसूली के लिए प्रस्तावित उपबंध के समावेशन पर कोई आपत्ति नहीं उठाई थी।

- (iii). पत्तन ने उल्लेख किया है कि वह दरमान में अनुमोदित उपबंध के अनुसार उपयोक्ताओं से वसूल किए गए रु0 100/- प्रति घंटा के रखान पर कर्मचारी को समयोपरि के लिए रु0 2000/- प्रति घंटा व्यय करता है। अतः इसने समयोपरि प्रभार की वसूली की वर्तमान इकाई को संशोधित कर रु0 100 प्रति घंटा अथवा उसका भाग प्रति कर्मचारी करने का अनुरोध किया है।

प्रस्तावित दर में लागत तत्वों को दोहराए जाने के बारे में किए गए उल्लेख पर, इसने बाद में समीक्षा की और दर को कम कर रु0 53/- प्रति घंटा अथवा उसका भाग प्रति कर्मचारी किया और समयोपरि प्रभारों को वर्ष 2006–07 में भुगतान किए गए कुल समयोपरि के आंकड़ों और उपलब्ध क्रेन के कार्य—समय के आधार पर फ्लोटिंग क्रेन के मूल किराया प्रभार में जोड़ने का सुझाव भी दिया था।

तदनुसार, संशोधित प्रस्ताव में, 150 टन और 60 टन फ्लोटिंग क्रेन के वर्तमान किराया प्रभारों को समयोपरि प्रभारों में जोड़ने के पश्चात रु0 155/- प्रति घंटा अथवा उसका भाग करने का प्रस्ताव किया गया है। परिणामस्वरूप, न्यूनतम किराया प्रभार और फ्लोटिंग क्रेनों के द्वितीय प्रचालन के प्रभारों में उपयुक्त संशोधन प्रस्तावित किए गए हैं।

- (iv). यहां यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि विशाखापत्तनम पत्तन न्यास 24 घंटे कार्य—प्रचालन करता है। इसीलिए, सामान्यतः यह उम्मीद की जाती है कि सेवाएं भी 24 घंटे प्रदान की जाएंगी।

वीपीटी ने स्पष्ट किया है कि फ्लोटिंग क्रेन का कार्य-समय सामान्य पारी के दौरान केवल 8 घंटे है ना कि 24 घंटे। क्रेन को किराये पर लेने की मूल दर केवल सामान्य पारी के लिए तैनात स्टाफ संख्या पर विचार करते हुए निर्धारित किया जाना बताया गया है।

विशाखापत्तनम सीमानुक्त विलयिंग एजेंट्स असोसिएशन (वीसीसीए), विशाखापत्तनम स्टीमर एजेंट्स असोसिएशन और विशाखापत्तनम स्टीवडोर्स असोसिएशन सभी का मत है कि तैनात स्टाफ के लिए समयोपरि प्रभार शायद फ्लोटिंग क्रेन के मौजूदा किराया प्रभार में पहले से शामिल है।

संशोधित प्रस्ताव में, पत्तन ने समयोपरि प्रभार से सामान्य मजदूरी की दोगुनी गणना को दूर करने की कोशिश की है। यह उल्लेखनीय है कि कर्मचारी लागत में एलटीसी, चिकित्सा व्यय, पीएफ अंशदान और अन्य संबंधित उपरिव्यय भी शामिल होंगे। तथापि, इन लागत तत्वों को संशोधित प्रस्ताव में समयोपरि प्रभारों से अलग नहीं रखा गया है।

इसके अलावा, फ्लोटिंग क्रेन के मूल किराया प्रभार में पहले से शामिल समयोपरि प्रभारों के बारे में उपयोक्ता असोसिएशनों द्वारा उठाए गए मुद्दे को वीपीटी द्वारा नहीं लिया गया है। मूल दर में इस लागत तत्व की दोगुनी गणना के भ्रम को दूर करने के लिए पत्तन द्वारा फ्लोटिंग क्रेनों के मौजूदा किराया प्रभार का कोई विस्तृत लागत व्योरा नहीं दिया गया है।

(v). उपर्युक्त स्थिति के आलोक में, यह प्राधिकरण वर्तमान किराया प्रभार में शामिल लागत घटकों का विस्तृत विश्लेषण किए बिना इस अवस्था में वर्तमान दरमान में निर्धारित समयोपरि प्रभारों में संशोधन के लिए वीपीटी का प्रस्ताव अनुमोदित करने की स्थिति में नहीं है।

(vi). अलग—से समयोपरि प्रभारों की वसूली उपयुक्त व्यवस्था प्रतीत नहीं होती है, क्योंकि किसी भी मास्ले में मूल प्रभार विस्तारित कार्य-समय के लिए भी वसूल किए जाते हैं। अतः फ्लोटिंग क्रेन के प्रचालन के लिए समयोपरि पर तैनात स्टाफ के लिए समयोपरि प्रभार निर्धारित करने वाली अनुसूची 5.1. फ्लोटिंग क्रेन प्रभार में अनुसूची 5.1.2. के अधीन वर्तमान टिप्पणी सं. 8 हटाई जाती है।

इससे पत्तन पर कोई महत्वपूर्ण वित्तीय प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि वीपीटी द्वारा देय समयोपरि प्रभार पिछले सामान्य संशोधन के समय सुविचारित लागत अनुमानों में लगभग ₹0 3 लाख प्रति वर्ष का अनुमान लगाया गया था।

9.1. परिणामस्वरूप, और उपर्युक्त कारणों से, और समग्र विचार-विमर्श के आधार पर, यह प्राधिकरण फ्लोटिंग क्रेन के प्रचालन के लिए समयोपरि पर तैनात स्टाफ के लिए समयोपरि प्रभारों की वसूली में संशोधन के लिए वीपीटी द्वारा दाखिल प्रस्ताव खारिज करता है।

9.2. वीपीटी के वर्तमान दरमान में खंड 5 – क्रॉफ्ट/उपस्कर के किराया प्रभार में, अनुसूची 5.1. फ्लोटिंग क्रेन प्रभार में अनुसूची 5.1.2. के अधीन टिप्पणी सं. 8 हटाई जाती है।

अ. ल. बोंगिरवार, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/IV/143/2007/असा.]

## TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS

### NOTIFICATION

Mumbai, the 14th August, 2007

**No. TAMP/52/2006-VPT.**—In exercise of the powers conferred by Section 48 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Tariff Authority for Major Ports hereby disposes of the proposal from the Visakhapatnam Port Trust (VPT) for levy of overtime charges for the staff deployed for floating crane operations as in the Order appended hereto.

३८२५ (८) ११-२

**SCHEDULE****Case No. TAMP/52/2006-VPT****Visakhapatnam Port Trust****..... Applicant****ORDER**

(Passed on this 7th day of August, 2007)

This case relates to the proposal dated 12/18 December 2006 from the Visakhapatnam Port Trust (VPT) for levy of overtime charges for staff deployed for operating floating crane.

2. The VPT has made the following main points in its proposal:
  - (i). Floating cranes are hired at the request of the trade for cargo handling operations and necessary hire charges are being levied as per the rates prescribed in the Scale of Rates.
  - (ii). Prior to the recent revision in May 2006, necessary overtime charges at actuals were collected for deployment of the staff beyond the working hours duly taking into consideration the salaries paid to the concerned employees.
  - (iii). In this regard, it has submitted that usually, more than 20 employees are deployed for working on the floating cranes at the request of the trade beyond working hours, roster offs and on holidays for about 10 to 15 hours. The approximate overtime payable to each employee is about Rs.100/-per hour. Accordingly, the VPT has to pay about Rs.2000/- per hour for these employees.
  - (iv). In the general revision proposal, a separate note was incorporated by VPT in the proposed Scale of Rates for levy of Rs.100.00 per hour or part thereof towards overtime charges whenever the staff is deployed on overtime for working of floating cranes. The proposed note was approved while appoving the revised Scale of Rates of the VPT. However, the note proposed by VPT inadvertently omitted to mention the word 'per employee'. As a result, overtime charges are collected from the users @ Rs.100/- per hour or part thereof irrespective of the number of employees engaged (i.e. for about 20 employees).
3. The VPT has proposed to amend the said note in its Scale of Rates to state that levy of the overtime charges shall be @ Rs.100/- per hour or part thereof per employee whenever staff is deployed to work on overtime.
  - 4.1. In accordance with the consultative procedure prescribed, the proposal of VPT was forwarded to users / user organisations seeking their comments. Despite reminder, we have not received comments on the proposal from any users / user organisations except Visakhapatnam Customs Clearing Agents Association (VCCAA).
  - 4.2. The comments received from the VCCAA were forwarded to the VPT for feedback information. The VPT has furnished its comments on the comments of the VCCAA.
5. The VPT was requested to clarify the tariff setting arrangement under which port collected overtime levy prior to the revision of its SOR by this Authority in June 2006. In response the VPT has clarified that it had not incorporated any provision in the SOR approved in 2001 towards overtime charges for the staff deployed beyond working hours since the port was collecting OT charges at actuals from the trade. Apart from this, it has reiterated the submissions made earlier on the comments of VCCAA.
- 6.1. A joint hearing, in this case was held on 12 June 2007 at the premises of Visakhapatnam Port Trust. At the joint hearing VCTPL, VPT and the concerned users made their submissions.

6.2. As decided in the joint hearing, the Visakhapatnam Port Trust (VPT) was advised to review its proposal taking into consideration the submissions made by the users / user associations and file a revised proposal supported by cost justification.

6.3. The VPT has accordingly reviewed its proposal and filed a revised proposal. The main submissions made by the VPT are summarised below:

- (i). It has reiterated that the floating cranes are envisaged for working only in general shift of 8 hours and not on 24 hours basis as contended by the trade. The basic rate of the said cranes was accordingly fixed considering the staff strength of 22 for general shift.

(ii). The proposal has been re-examined as regards the issue raised about overlapping of cost elements. The normal wage rates and OT rates per employee considered in the revised proposal are given below:

  - (a). Average normal wages consisting of pay, DA and other allowances is Rs. 16,297 per employee. Hence wage rate per hour works out to Rs. 67.90 (i.e. 16297 /30 days x8 hrs)
  - (b). Over time allowances payable at double the rate for working beyond normal norms on mean pay plus DA is Rs.120.38  
Less: Normal wage rate already included in basic rate Rs.67.90  
OT allowance to be collected from the trade Rs.52.38

(iii). On the basis of this revised working, VPT agrees to collect Rs.53/- per hour employee as against Rs. 100/- per employee per hour proposed in its initial proposal. However, at the request of the trade to build in the above OT charges in the hire charge of floating crane, it has furnished the following working:

Total Average No. of hours the cranes were engaged overtime in 2006-07	257 hrs.
Total OT element=Rs.52.38 x 22 x 257	= Rs.2,96,157/-
Total available working hours for the crane Per crane	= 240 days x 8 hours = 1920 hours

Hence the rate proposed to be included towards OT charges in the basic rate = Rs.2,96,157/ 1920 = Rs.154.24.

- (iv). Accordingly, the hire charge of floating crane prescribed in the existing Scale of Rates at Rs. 2001 per hour or part thereof is proposed to be revised to Rs. 2155 per hour after incorporating the OT charge. The revised proposed hire charge of floating crane was discussed with the trade on 18 June 2007 and the trade has communicated its acceptance to the same.

(v). In this backdrop, it has requested to amend the hire charges of floating cranes prescribed in schedule 5.1.1. and 5.1.2. of the existing of Scale of Rates as follows:

(a). **5.1. Floating Crane Charges**  
**5.1.1. 150 Ton Floating Crane**

(a). 5.1. Floating Crane Charges  
5.1.1. 150 Ton Floating Crane

<b>Item No.</b>	<b>Weight of package or nature of charge</b>	<b>Unit</b>	<b>Rate (in Rs.)</b>	<b>(Rate in Rs.) for second operation</b>
1.	Upto 50 tonnes	Per hour or part thereof	Rs.2150/- per hour or part thereof subject to a minimum of Rs.4300/-	Rs.1075/- per hour or part thereof subject to a minimum of Rs. 2150/-

There will be no change in rates for item Nos. from 2 to 10.

3525 GI 07-3

### 5.1.2. 60 Ton Floating Crane

Item No.	Weight of package or nature of charge	Unit	Rate (in Rs.)	(Rate in Rs.) for second operation
1.	Upto 50 tonnes	Per hour or part thereof	Rs.2150/- per hour or part thereof subject to a minimum of Rs.4300/-	Rs.1075/- per hour or part thereof subject to a minimum of Rs. 2150/-

(b). The existing note at Sl.No.8 of 5.1. Floating Crane charges stands deleted.

7. The proceedings relating to consultation in this case are available on records at the office of this Authority. An excerpt of the comments received and arguments made by the concerned parties will be sent separately to the relevant parties. These details will also be made available at our website <http://tariffauthority.gov.in>

8. With reference to the totality of information collected during the processing of this case, the following position emerges:

- (i). The proposal of the Visakhapatnam Port Trust (VPT) is for amendment in the provision relating to overtime charges on floating cranes prescribed in the last tariff revision of the Scale of Rates of VPT notified in the Gazette of India on 5 June 2006.
- (ii). The Scale of Rates of VPT prior to the tariff revision approved in June 2006 did not prescribe any separate tariff for overtime charges. Prior to the last tariff revision, the overtime charges at actuals were collected by the port as reported by both the VPT and the users.

In the last tariff revision, the VPT had proposed to introduce overtime charges for staff deployed on overtime for operating floating crane. This Authority is generally not in favour of prescribing separate overtime charges since ports are expected to render service round the clock.

While processing the tariff revision of the VPT case, the proposed provision was approved without any detailed analysis since it was not a significant tariff item and also no user associations had raised any pointed objection for introduction of the proposed provision for levy of overtime charge.

- (iii). The port has pointed out that it incurs an expenditure of Rs.2000 per hour towards overtime to employee as against Rs.100 per hour collected from the users as per the provision approved in the SOR. It has, therefore, requested to modify the existing unit of levy of overtime charge as Rs.100 per hour or part thereof per employee.

On being pointed out about overlapping of cost elements in the proposed rate, it has subsequently reviewed and reduced the rate to Rs.53 per hour or part thereof per employee and also suggested to merge the overtime charges into the basic hire charge of floating crane based on the statistics of total overtime paid in the year 2006-07 and the available working hours of crane.

Accordingly, in the revised proposal, existing hire charges of 150 tonnes and 60 tonnes floating crane is proposed to be increased by Rs.155 per hour or part thereof after building in the overtime charges. Consequently, suitable modifications are proposed in the minimum hire charge and charges for second operation of floating cranes.

- (iv). It is relevant here to note that the Visakhapatnam Port operates round the clock. Hence, it is generally expected that the services be also offered round the clock.

The VPT has clarified that the working hours of the floating crane is for 8 hours only during the general shift and not for 24 hours. The basic rate for hire of crane is reported to have been fixed considering the staff strength deployed for the general shift only.

The Visakhapatnam Customs Clearing Agents Association (VCCAA), Visakhapatnam Steamer Agents Association and Visakhapatnam Stevedores Association all are of the view that overtime charges for staff deployed is perhaps already built in the existing hire charge of floating crane.

In the revised proposal, the port has attempted to eliminate double counting of normal wages from the overtime charge. It is relevant to mention that the employee cost will also include LTC, medical expenses, PF contribution and other connected overheads. These cost elements are, however, not excluded from the overtime charges in the revised proposal.

Further, the issue agitated by the user Associations about the overtime charges already built in the basic hire charge of floating crane has not been addressed by the VPT. No detailed cost break up of the existing hire charge of floating cranes is furnished by the port to remove the doubt of double counting of this cost element in the basic rate.

- (v). In light of the above position, this Authority is not inclined to approve the proposal of the VPT for modification in the overtime charges prescribed in the existing Scale of Rates at this juncture without undertaking detailed analysis of the cost components included in the existing hire charge.

- (vi). Recovery of overtime charges separately does not appear to be a reasonable arrangement, as the basic charges are in any case recovered for the extended working hours also. The existing note no 8 under Schedule 5.1.2., in Schedule 5.1. Floating Crane Charges prescribing overtime charges for staff deployed on overtime for operating floating crane is, therefore, deleted.

This may not have any significant financial impact on the port since the overtime charges payable by VPT is estimated to be around Rs.3 lakhs per annum in the cost estimates considered at the time of the last general revision.

9.1. In the result, and for the reasons given above, and based on a collective application of mind, this Authority rejects the proposal filed by the VPT for amendment in levy of overtime charges for staff deployed on overtime for operating crane.

9.2. Note No 8 under Schedule 5.1.2., in Schedule 5.1. Floating Crane Charges, in Section 5- Charges for hire of craft / equipment in the existing Scale of Rates of VPT is deleted.

A.L. BONGIRWAR, Chairman

[ADVT III/IV/143/2007/Exty.]